अतिक्रमण

बाउंड्री वॉल बनाकर मैरीज लॉन का कर रहे थे संचालन

चार साल पुराने आदेश पर चला अतिक्रमण हटाने बुलडोजर

नवभारत, परसवाड़ा। मुख्यालय परसवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण पर अब प्रषासन की सख्ती षुरू हो चुकी है। दरअसल परसवाड़ा एसडीएम अब अतिक्रमण पर सख्त रुख अपनाते नजर आ रहे हैं। उन्होने एक निजी मैरिज लॉन जो कि सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा जमाए हुए था, उस पर बुलडोजर कार्यवाही करते हुए स्पश्ट संकेत दे दिये हैं कि परसवाड़ा मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त बनाते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाएगा।

गौरतलब हो कि परसवाड़ा पंचायत के ग्राम बीजाटोला के समीप संचालित राहुल मैरिज लॉन के संचालक द्वारा अवैध रूप से कब्जा करते हुए षासकीय भूमि वृक्षकुंज पर अवैध निर्माण किया गया था। उक्त भूमि के तकरीबन 65 डिसमिल जमीन पर बाउंड्रीवाल एवं कमरा बनाकर उसे लॉन का हिस्सा बना लिया गया था। जिस पर आज परसवाड़ा एसडएम के निर्देष पर कार्यवाही की गई। इस दौरान परसवाड़ा तहसीलदार पूर्णिमा भगत, आर आई चंद्रकिषोर काकोड़िया, आंचलक पटवारी सहित राजस्व का अमला मौजूद रहा।

कार्यवाही के दौरान लॉन के अतिक्रमण वाले हिस्से पर चिन्हांकन के बाद अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। जिसमें गेट सहित बाउंडीवाल तथा कमरे को जेसीबी मषीन की सहायता से ढहा दिया गया।

इस दौरान परसवाड़ा तहसीलदार पूर्णिमा भगत ने बताया कि परसवाड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम कुमनगांव के खसरा नं. 32 षासकीय मद की भूमि के तकरीबन 65 डिसमिल भूमि पर मीनाकुमारी पति षिवकुमार डोंगरे द्वारा अतिक्रमण कर उस पर बाउंड्रीवाल का निर्माण किया गया था, जिसे आज हटाया गया है, उन्होने बताया कि यहां पर राहुल मैरिज लॉन संचालित था। वहीं उनका उन्होने बताया कि अतिक्रमण हटाकर तकरीबन ढाई लाख रू कीमत की जमीन मुक्त कराई गई। हालांकि इस दौरान मीडिया द्वारा सवाल किया गया कि क्या परसवाड़ा में अवैध कब्जे के विवाद पर हत्या के बाद प्रषासन जागा है? तो उन्होने इस बात को नकारते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने के आदेष पहले ही दे दिये गए थे, किसी कारण वष अतिक्रमण नहीं हट पाया था। वहीं उनका कहना रहा कि परसवाड़ा में अतिक्रमण को लेकर नियमानुसार कार्यवाही जारी रहेगी। हालांकि प्रषासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निषान इसलिए लगते हैं कि आज जिस राहुल मैरिज लॉन में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई, उसके आदेष 15.07.2022 को हो चुके थे, महज एक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही में लगभग चार साल लग गए।

खैर अब परसवाड़ा एसडीएम एक्सन मोड पर नजर आ रहें हैं। उन्होने कहा कि षासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके अलावा अतिक्रमण कर अवैध तरीके से कमरों का निर्माण किया जाकर उनमें व्यापार करने वालों पर भी सख्ती से कार्यवाही की जाएगी।

अतिक्रमण पर लगातार और सख्त कार्यवाही की जरूरत

परसवाड़ा मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्र इन दिनों अतिक्रमण की चपेट में नजर आ रहे हैं। यहां पर अतिक्रमण ने मुख्यालय परसवाड़ा की न केवल सौंदर्यता पर ग्रहण लगा दिया है, बल्कि समूचा परसवाड़ा बेतरतीब नजर आने लगा है। अतिक्रमण के चलते परसवाड़ा मुख्यालय अस्त व्यस्त तो है ही, इससे सटे बीजाटोला और सेरपार भी अतिक्रमण की चपेट में आ चुके है। मुख्यालय परसवाड़ा की बात की जाए तो यहां पर षासकीय भूमि, छोटे झाड़ के जंगल और घास मद सहित आबादी भूमि पर भी अतिक्रमण करने से परहेज नहीं किया जा रहा है। मुख्यालय में षासकीय भूमि पर पक्के कुंओं का निर्माण, आबादी की भूमि पर काम्पलेक्स बनाकर व्यापार, तथा जहां खाली भूमि नजर आई रातों रात वहां दुकाने खुल जाना आम बात है। इतना ही नहीं यहां पर षासकीय कर्मचारियों के द्वारा भी बिना परहेज किये धड़ल्ले से अवैध निर्माण कर लिया गया हैं। वहीं कुछ जगहों पर अवैध रूप से दर्जनों से भी अधिक कमरों का निर्माण कर किराये पर संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा परसवाड़ा और बीजाटोला में आबादी की भूमि का खरीद फरोख्त का मामला भी जमकर फला फूला, जिसके कारण यहां की व्यवस्थाएं बेपटरी नजर आने लगी है।

विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत सांसद पारधी ने चलाया विशेष जनसंपर्क अभियान

प्रबुद्ध एवं वरिष्ठजनों का किया सम्मान

नवभारत, परसवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में चलाए जा रहे 'विकसित भारत संकल्प अभियान' के अंतर्गत बुधवार 17 जून को बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों का प्रवास कर विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया तथा वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध जनों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान लामता एवं परसवाड़ा मंडल के कार्यक्रमों में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित रहे। परसवाड़ा स्थित कलार भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया।

सांसद भारती पारधी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज आत्मनिर्भरता, सुशासन और समावेशी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने भी अपने उद्बोधन में ओबीसी वर्ग के हित में संचालित योजनाओं तथा सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर प्रकाश डालते हुए विकसित भारत के निर्माण में सभी वर्गों की सहभागिता को आवश्यक बताया।

सांसद भारती पारधी ने परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के समनापुर, मोतेगांव, लामता, पचपेढ़ी (चांगोटोला), परसवाड़ा, मझगांव एवं खुरमुण्डी सहित सात मंडलों में जनसंपर्क कर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने क्षेत्रीय समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उनके निराकरण हेतु आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। साथ ही समाज निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रबुद्ध एवं वरिष्ठजनों का सम्मान कर उनके अनुभवों को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी रामेश्वर कटरे, जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे, उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, परसवाड़ा मंडल अध्यक्ष योगेश शरणागत, समनापुर मंडल अध्यक्ष गणेश लिल्हारे, लामता मंडल अध्यक्ष योगेश खैरवार, मझगांव मंडल अध्यक्ष संतोष साहू सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता नंदकिशोर ऐड़े, अशोक अवधिया, पीतम बोपचे, शंकर बघेल, कांशीराम हिर्वाने, निरख अमूले, हिर्देशाय हिर्वाने, शिव पटले, अशोक कटरे एवं शिवानी तिल्लासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत किसानों को किया जागरूक

बालाघाट। बालाघाट जिले में किसानों को प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत विभिन्न विकासखंडों में जागरूकता कार्यक्रम एवं पंजीयन अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार 17 जून को किरनापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कोस्ते में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को खेत बचाओ अभियान के तहत प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने, संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग, धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) पद्धति, हरी खाद के महत्व, सरकारी प्रमाणित बीजों के उपयोग तथा बीज उपचार की आवश्यकता एवं इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन एवं नरवाई प्रबंधन के संबंध में भी किसानों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों का पंजीयन कार्य भी किया गया। वहीं कटंगी विकासखंड के ग्राम बिसापुर में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत किसानों को जोड़ने के लिए क्लस्टर निर्माण एवं पंजीयन कार्य संपन्न कराया गया।

आधुनिक खेती की ओर बढ़ते कदम : कटंगी के किसानों ने अपनाई डीएसआर तकनीक, सुपर सीडर से की धान की बुआई

बालाघाट। बालाघाट जिले में खेती में बढ़ती लागत, मजदूरों की कमी और समय पर कृषि कार्यों को पूरा करने की चुनौती के बीच जिले के किसान अब आधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और नवीन कृषि यंत्रों की उपलब्धता से किसानों में डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति के प्रति तेजी से जागरूकता बढ़ रही है।

इसी क्रम में कटंगी विकासखंड के ग्राम कामठी के प्रगतिशील कृषक श्री देवीप्रसाद भगत ने अपने 15 एकड़ खेत में सुपर सीडर मशीन के माध्यम से डीएसआर पद्धति से धान की बुआई कर एक मिसाल पेश की है। इतने बड़े रकबे में आधुनिक तकनीक से धान की सीधी बुवाई कर उन्होंने यह साबित किया है कि वैज्ञानिक खेती के माध्यम से कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

जनता और जनप्रतिनिधि के बीच महत्वपूर्ण माध्यम से विश्वास त्वरित समाधान और सुशासन भी आता है नजर : जायसवाल

नपा परिषद के जनता दरबार का अब जनता करती है बेसब्री से इंतजार

नवभारत, वारासिवनी। नपा परिषद के परम्परागत जनता दरबार मे निर्धारित समय का इंतजार करते हुए जनमानस देखा गया। विशेष रूप से आम जनता और पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के बीच के महत्त्वपूर्ण माध्यम में विश्वास, त्वरित समाधान और सुशासन भी नजर आया। आज विभिन्न वार्डो के निवासीयो ने अपनी मूलभूत सहित अनेको समस्याओ पर लिखित शिकायत दर्ज करायी। जिस पर गंभीरता से ध्यान देकर समाधान के विषय मे तेज कदम भी बडाये गये।

जनता दरबार मे मप्र पेन्शर्स संघ वारासिवनी द्वारा वार्ड दो में विभिन्न कार्यो के लिए भवन की मांग की गयी। इस प्रस्ताव को जिलाधीश को भेजकर प्रक्रिया में लेकर भवन निर्माण की सोच नपा परिषद द्वारा रखी गयी। गौरतलब

है की पेन्शर्स संघ वारासिवनी की सोच है की उनके विभिन्न कार्यो के लिये उनकी संस्था का भी नगर मे एक भवन होना चाहिये। आज बकायदा एक खाली जमीन का हवाला देकर उन्होने अपनी मांग पर समाधान की उम्मीद नपा परिषद से कायम रखी।

शुरुवाती पलो में वार्ड 4 में वंदना सदन के सामने से ग्रहयोग परिसर तक पहुच मार्ग में दोनों पक्षो श्री अरविंद तिवारी विरुद्ध श्री सुरेश दीक्षित विषय मे नपा परिषद ने न्यायालीन निर्णय को आधार बनाकर अंतिम नोटिश के बाद कार्यवाही के संकेत भी दिए। गौरतलब है की इस विषय मे अनेको बाद दोनो पक्षो ने नपा परिषद आकर अपने अपने तर्को को उचित करार दिया था।

इसी तरह वार्ड तीन में भाई दीपक जैन से भाई बाली देशपांडे के घर तक नाली निर्माण के बाद शिवू विक्टर के घर के पास नाली निर्माण के निर्देश प्रदान कर निकट की अन्य नाली निर्माण की तकलीफो को दूर करने के लिए भाई बाली देशपांडे के अनुभव का लाभ लेने की सोच भी देखी गयी।

दूसरी ओर बरसात के मौसम को करीब देखकर वार्ड 4,6,11 और 14 में भी नाली निर्माण की जनता की मांग पर नपा परिषद ने गम्भीरता दिखाकर जनविश्वास को बढ़ाने का कार्य किया। वार्ड 6 से मनोनीत पार्षद श्रीमती दीपलता देशमुख ने महिला टीम के साथ आकर वार्ड में नाली की समस्या के लिए जनता दरबार चर्चा भी की।

गर्रा ओवरब्रिज निर्माण को विधायक मुंजारे ने बताया गुणवत्ताहीन

बोलीं- भाजपा ने पीठ पीछे लोकार्पण कर संकीर्ण मानसिकता दिखाई

विधानसभा में उठेगा मुद्दा

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट के गर्रा रेलवे ओवरब्रिज को लेकर उपजा विवाद अब गहरा गया है। कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने ब्रिज निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे बेहद घटिया बताया है। बुधवार को भोपाल से लौटने के बाद सर्किट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुंजारे ने इस मामले को लेकर भाजपा और प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधा।

विधायक मुंजारे ने भाजपा पर संकीर्ण मानसिकता रखने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि क्षेत्र के निर्वाचित विधायक की गैरमौजूदगी में ओवरब्रिज का लोकार्पण करवाकर भाजपा ने एक गलत परंपरा की शुरुआत की है।

भाजपा नेताओं ने जानबूझकर उनके पीठ पीछे यह कार्यक्रम आयोजित किया और इसके लिए जिले के प्रभारी मंत्री को भी गुमराह किया गया।

विधायक ने ब्रिज निर्माण में कई बड़ी खामियां उजागर की हैं। उन्होंने बताया कि जिस ओवरब्रिज का प्रभारी मंत्री से आनन-फानन में लोकार्पण कराया गया, उसमें अभी तक लाइट की व्यवस्था नहीं की गई है। इसके अलावा ब्रिज के ढलान वाले हिस्से में करीब 200 मीटर का फुटपाथ ही गायब है, जिससे पैदल चलने वालों के लिए हादसे का खतरा बना रहेगा।

मुंजारे ने सेतु संभाग के एसडीओ अर्जुन कुमार सनोडिया के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जनप्रतिनिधियों को पहले से जानकारी होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि अधिकारी अब अपनी गलती छिपाने के लिए लीपापोती कर रहे हैं।

वन विभाग की एनओसी न होने का बहाना बनाकर फुटपाथ का काम अधूरा छोड़ दिया गया, जबकि यह एनओसी काम शुरू होने से पहले ही ली जानी चाहिए थी। कांग्रेस विधायक ने इस पूरे प्रोजेक्ट की उच्चस्तरीय जांच कराने और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि ओवरब्रिज की खराब गुणवत्ता और अधूरे फुटपाथ के इस गंभीर मामले को वह शांत नहीं होने देंगी और इस मुद्दे को सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा।

20 वर्षों का सपना अब होगा साकार

नि:शुल्क गुरुकुल स्कूल के पक्के भवन का हुआ भूमिपूजन

नवभारत, बालाघाट। शहर मे कच्चे मकान मे पिछले दो दशक से संचालित गुरुकुल स्कूल के पक्के भवन निर्माण का वर्षो पुराना सपना अब जल्द ही पूरा होगा। नये भवन निर्माण के लिए मंगलवार को विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ भूमि पूजन किया गया। जिसमे नेतागण, व्यापारी समाजसेवी और गणमान्य नागरिक गण मौजूद रहे।

गौरतलब रहे की बालाघाट शहर से लगे देवटोला मे 20 वर्षो से नि:शुल्क शिक्षा की मिशाल के रूप मे संचालित गुरुकुल स्कूल की नीव 2006 मे अशोक बोहने और पायल लिल्हारे के द्वारा कुछ गरीब बच्चो को बरगद के पेड़ के नीचे पढ़ाने रखी गई थी जिनकी कुछ वर्षोबीके बाद किराये से कच्चे मकान मे संचालित की गई।

इस स्कूल में नि:शुल्क रूप से इलाके के कई गांव के बच्चो को अध्यापन कराया गया। जिनकी आज 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी हजारों बच्चो को नि:शुल्क शिक्षा देकर देश की भावी पीढ़ी तैयार करने मे अपना योगदान देते आ रहे है। बीस वर्षो मे गुरुकुल स्कूल मे शिक्षक भी नि:शुल्क रूप से इसकी नींव रखने वाले अशोक बोहने और पायल अध्यापन कार्य मे मददगार रहे हैं। कई उतार चढ़ाव और जबरदस्त संघर्ष के साथ गुरुकुल स्कूल को बनाये रखे। इस स्कूल को पक्का बने कई प्रकार से संघर्ष के बीच अब बालाघाट और आसपास के कई मददगार सामने आये और नि:शुल्क स्कूल की मिशाल को बनाये रखने अपना योगदान देते रहे।

पाथरी फीडर के मरम्मत कार्यों के लिए 30 लाख 72 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति की मंजूरी

बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा बालाघाट जिले के वैनगंगा मुख्य नहर के चैन क्रमांक 1094 से निष्पादित फीडर कैनाल की चैन क्रमांक 70,102,193 में स्थित सीडी का मरम्मत कार्य एवं चैन क्रमांक 202 की सीडी का पुन: निर्माण कार्य पाथरी माइनर की चैन क्रमांक 25 एवं बेहरई वितरक की छतेरा माइनर के चैन क्रमांक 39 में स्थित सीडी का पुन: निर्माण कार्य के लिए दिनांक 11/06/2026 को 30 लाख 72 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस कार्यों की स्वीकृति से लालबर्रा क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

पेड़ की डगाल टूटकर लाइन में गिरी, झुलसे दो कर्मी

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत सहजपुर में एलटी लाइन पर पेड़ की डगाल गिरने से टूट गई। सुधार कार्य के दौरान दो आउटसोर्स लाइन कर्मी करंट की चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक भेड़ाघाट सहजपुर में एलटी लाइन पर पेड़ की डगाल गिरने से टूट गई थी, जिसके सुधार के लिए जूनियर इंजीनियर विपिन यादव के द्वारा आउटसोर्स कर्मी प्रदीप कछवाहा, रोहित पटेल, धर्मेंद्र एवं हरिओम को भेजा था। चारों कर्मी जब सुधार कार्य कर रहे थे, उसी दौरान लाइन में करंट आने से प्रदीप कछवाहा और रोहित पटेल उसकी चपेट में आकर झुलस गए। दोनों कर्मियों के हाथ वो पैर में गंभीर चोट पहुंची जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

सहायता राशि नहीं दी

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अभी तक न तो ठेका कंपनी जीए डिजिटल और न ही बिजली कंपनी ने इलाज के लिए सहायता राशि दी है। संघ के मोहन दुबे, राजकुमार सैनी, अजय कश्यप, विनोद दास, लाखन सिंह राजपूत, राकेश नामदेव, किशोर, इंद्रपाल सिंह, संदीप दीपांकर आदि ने कार्यपालन अभियंता से दोनों आउटसोर्स कर्मियों को इलाज करने के लिए सहायता राशि देने की मांग की है।

प्रेरणास्रोत | किसानों के लिए बनी प्रेरणा

बैहर के ग्राम जत्ता में सुपर सीडर से डीएसआर पद्धति द्वारा धान की सीधी बुआई

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में बैहर विकासखंड के ग्राम जत्ता में कृषक दिलीप बोपचे के 3 एकड़ खेत में 17 जून को सुपर सीडर मशीन के माध्यम से डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से धान की सीधी बुआई की गई। यह तकनीक क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है और जिले में डीएसआर पद्धति से धान बुवाई का रकबा लगातार बढ़ रहा है।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार डीएसआर पद्धति धान उत्पादन की एक आधुनिक एवं किफायती तकनीक है, जिसमें नर्सरी तैयार करने, पौध उखाड़ने और रोपाई जैसे पारंपरिक कार्यों की आवश्यकता नहीं होती। सुपर सीडर मशीन के माध्यम से सीधे

खेत में बीज की बुवाई की जाती है, जिससे समय, श्रम और लागत तीनों की बचत होती है।

पारंपरिक धान रोपाई पद्धति में बड़ी संख्या में मजदूरों की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान समय में कृषि मजदूरों की उपलब्धता किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में सुपर सीडर मशीन से डीएसआर पद्धति किसानों की इस समस्या का प्रभावी समाधान बनकर सामने आई है। इस तकनीक से कम समय में अधिक क्षेत्र में बुवाई संभव हो रही है, जिससे खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आ रही है।

ग्राम जत्ता में दिलीप बोपचे द्वारा अपनाई गई इस तकनीक को देखने के लिए आसपास के किसान भी खेतों का भ्रमण कर रहे हैं और इसके लाभों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इससे क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ रही है तथा अधिक किसान डीएसआर पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

कृषि विभाग द्वारा भी किसानों को डीएसआर तकनीक, सुपर सीडर मशीन और वैज्ञानिक खेती के लाभों के बारे में लगातार जानकारी दी जा रही है। विभाग का मानना है कि इस तकनीक के व्यापक उपयोग से खेती की लागत घटेगी, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी।

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से आधुनिक कृषि यंत्रों और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने की अपील की है। जिले में डीएसआर पद्धति के बढ़ते उपयोग को कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

रेत माफिया पर कटंगी और तिरोड़ी में मेहरबानी क्यों?

खनिज विभाग और पुलिस की चुप्पी पर उठ रहे सवाल नदियों से अवैध उत्खनन जारी

नवभारत कटंगी 17 जून। बालाघाट जिले में खनिज विभाग और पुलिस की टीमें रेत माफिया के खिलाफ लगातार छापेमारी कर रही हैं। कई जगह जेसीबी-डंपर जब्त हुए, बड़े बड़े रेत के डम्प पर कार्यवाही की गई लाखों का जुर्माना भी लगा, लेकिन कटंगी और तिरोड़ी क्षेत्र में तस्वीर उलट है। यहां से लगातार शिकायतें मिल रही हैं, अखबारों की सुर्खियां भी बन रही हैं, फिर भी राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

बावनथडी नदी के पुलपुट्टा हरदोली बम्हनी आंजनबिहरी बोनकट्टा बड़पानी संग्रामपुर और कटंगी की चंदन नदी के बाहकल गजपुर और इस नदी के अनेक ग्रामों से रेत अवैध खनन और परिवहन लगातार जारी है। मिरगपुर का ऐनेथाल प्लांट भी रेत का हब बन गया है।

सवालों के घेरे में सिस्टम

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कटंगी-तिरोड़ी क्षेत्र की नदियों से दिनदहाड़े अवैध रेत का उत्खनन हो रहा है। रात के अंधेरे में जेसीबी-पोकलेन मशीनें नदी का सीना छलनी कर रही हैं। दर्जनों डंपर रोज निकल रहे हैं। कई बार ग्रामीणों ने वीडियो-फोटो के साथ शिकायतें कीं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई।

नदी किनारे भू-जल संकट गहरा रहा

लगातार हो रहे अवैध उत्खनन से नदियों का प्राकृतिक बहाव बदल रहा है। जलस्तर गिर रहा है, किनारे के गांवों में भू-जल संकट गहरा रहा है। पर्यावरणविद चेतावनी दे चुके हैं कि अंधाधुंध रेत निकासी से बाढ़ और कटाव का खतरा बढ़ेगा। इस मामले में खनिज विभाग, राजस्व और पुलिस की चुप्पी चर्चा का विषय बनी हुई है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर और एसपी से तत्काल संयुक्त टीम बनाकर जांच की मांग की है।

कार्रवाई सब जगह हो रही तो यहां क्यों नहीं?

नागरिकों का कहना है कि जब कार्रवाई सब जगह हो सकती है तो यहां क्यों नहीं? क्या कानून सिर्फ कुछ जगहों के लिए है?' अब देखना होगा कि शिकायतों और अखबारों की सुर्खियों के बाद भी प्रशासन कब हरकत में आता है, या नदियों की लूट यूं ही जारी रहेगी।